UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

डिप्लोमा जनस्वास्थ्य एवं सामुदायिक पोषण (डी0पी0एच0सी0एन0-10)

प्रथम छः माही सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि: 15 जनवरी, 2011

कोर्स शीर्षक: पोषण शिक्षा कोर्स कोड: डी0पी0एच0सी0एन0-04

सत्र: 2010-11 अधिकतम अंक: 20

नोटः प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'क' में 8 (आठ) लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। इन आठ प्रश्नों में से अभ्यर्थी को केवल चार प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 2.5 (ढाई) अंको का है। इस प्रकार खण्ड 'क' के लिए कुल 10 (दस) अंक निर्धारित हैं। खण्ड 'ब' में कुल 4 (चार) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंको का है तथा अभ्यर्थी को केवल दो प्रश्न हल करने हैं। इस प्रकार खण्ड 'ब' के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सामुदायिक स्वास्थ्य अध्ययन की विभिन्न श्रेणियों का वर्णन कीजिए।
2. समुदाय में पोषण शिक्षा हेतु पोषण परामर्शदाता के क्या विभिन्न कार्य हैं□
3. लक्षित समूहों में रक्ताल्पता के क्या हानिकारक परिणाम हो सकते हैं□ रक्ताल्पता के बचाव हेतु आहारीय उपचार के लिए अपने क्षेत्रीय खाद्य पदार्थों की उपयोगिता बताइए।
4. संचार को परिभाषित कर इसकी प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक बताइए।
5. टिप्पणी करें-
   - पोषण शिक्षा की सम्पर्क विधि
   - पोषण शिक्षा के चैनल
6. विटामिन ए की कमी के विभिन्न कारणों का वर्णन कीजिए।
7. राष्ट्रीय विटामिन ए रोग निरोधी कार्यक्रम की कार्य प्रणाली क्या है□

8. विभिन्न शारीरिक अवस्थाओं में आयोडीन की अल्पता कौन से विकारों को जन्म देती है।

खण्ड 'ब'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. पोषण शिक्षा हेतु लक्ष्य समूह के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।
2. अतिरिक्त पोषण से क्या विकार उत्पन्न होते हैं। इसके कारक तथा रोकथाम के उपायों का वर्णन कीजिए।
3. आयोडीन युक्त नमक की गुणवत्ता की निगरानी प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. मध्याह्न भोजन कार्यक्रम को विस्तार पूर्वक बताएं। यह बच्चों में कुपोषण दूर करने में किस प्रकार लाभकारी है।